SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल परिश्रम के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्गस नंबरों के साथ केजेवी पवित्रशास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

परिश्रम — मूलभूत बाइबलीय सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

परिश्रम ऊर्जा के उभार से पहले एक चाल है। कोई बालक एक दिन में परिश्रम नहीं सीखता: पहले वह उस वस्तु की ओर घुटनों के बल चलता है जिसे वह चाहता है; फिर उसे सिखाया जाता है कि उसे दिन-प्रतिदिन थामे और उठाए रखे; फिर वह बड़ा होता है, और दौड़ता है, और दौड़ना काम बन जाता है, और काम एक ऐसा युद्ध बन जाता है जिसे जीतना सार्थक है; फिर वह एक रेखा को पार करता है, और उस रेखा पर एक प्रतिफल है। परिश्रम के लिए यूनानी शब्द है स्पूदे (G4710, परिश्रम) — गति, गंभीर सावधानी, वह शीघ्रता जो कल तक प्रतीक्षा नहीं करेगी। परिश्रमी मनुष्य के लिए इब्री शब्द है खारूत्स (H2742, परिश्रमी) — तीक्ष्ण, निश्चयी, और यही शुद्ध सोने के लिए भी शब्द है, क्योंकि सोना खुले में पड़ा नहीं मिलता; उसे खोदकर निकालना पड़ता है। यह अध्ययन परिश्रम को मनुष्य के जीवन की पूरी यात्रा में साथ लेकर चलता है: कैसे वह पहले नीचा और खोजता हुआ पाया जाता है; एक बार मिल जाने पर उसे कैसे थामे रखा जाता है; उसे कैसे काम में और युद्ध में लगाया जाता है; और वह कैसे समाप्त होता है, उस रेखा पर जहाँ प्रवेश द्वार चौड़ा खोल दिया जाता है और यहोवा का वचन सदा तक स्थिर रहता है। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. परिश्रम कहाँ पाया जाता है, और मनुष्य पहली बार इसे कैसे प्राप्त करता है?
2. एक बार जब परिश्रम पाया जाए, तो एक व्यक्ति को उसके साथ क्या करना चाहिए, और उसे दिन-प्रतिदिन कैसे बनाए रखा जाता है?
3. दौड़ कैसे समाप्त होती है — अंतिम रेखा पर क्या दिया जाता है, और कौन-सा शब्द सदा बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"परिश्रम" — **G4710 spoude** — गति, शीघ्रता, उत्सुकता, गंभीरता
मूल शब्द — सारी रीति से प्रयत्न करके (2 पतरस 1:5)

"उत्सुकता से खोजना" — **G1567 ekzeteo** — ढूँढ़ना, खोज करना, तीव्र इच्छा करना
जो उसकी खोज में लगे रहते हैं, वह उनका प्रतिफलदाता है (इब्रानियों 11:6)

"सैनिक" — **G4757 stratiotes** — एक सिपाही
यीशु मसीह के एक अच्छे सिपाही के समान दुःख उठा (2 तीमुथियुस 2:3)

"कवच" — **G3833 panoplia** — संपूर्ण कवच, पूरा साज-सामान

परमेश्वर के सम्पूर्ण अस्त्र-शस्त्र धारण करो (इफिसियों 6:11)

"संघर्ष करना" — **G73 agon** — संघर्ष, प्रतिस्पर्धा, दौड़
विश्वास की उत्तम लड़ाई लड़ो (1 तीमुथियुस 6:12)

"दौड़" — **G1408 dromos** — —दौड़, एक मार्ग
जिससे मैं अपना मार्ग आनन्द के साथ पूरा करूं (प्रेरितों के काम 20:24)

"मुकुट" — **G4735 stephanos** — विजेता को दिया गया एक मुकुट, एक माला
जीवन का मुकुट (प्रकाशितवाक्य 2:10)

"सहता है" — **G5278 hupomeno** — सहते रहना, सहन करना, धीरज धरना
धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में स्थिर रहता है (याकूब 1:12)

"परिश्रम" — **G2873 kopos** — परिश्रम, मेहनत, काम से थकावट
तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है (1 कुरिन्थियों 15:58); हर एक को उसके परिश्रम के अनुसार अपना अपना फल मिलेगा (1 कुरिन्थियों 3:8)

हिब्रू मुख्य शब्द

"परिश्रमी" — **H2742 charuts** — तीखा, नुकीला; दाँवने का यंत्र; उत्तम सोना; निर्णय
परिश्रमी मनुष्य एक निश्चयी मनुष्य होता है, और उसका धन बहुमूल्य होता है

"जल्दी ढूँढ़ना" — **H7836 shachar** — किसी काम के लिए जल्दी उठना, प्रातःकाल ही खोजना, जैसे भोर में
वह लगनशील मनुष्य पौ फटते ही परमेश्वर से मिलता है

"रखना" — **H8104 shamar** — कांटों से घेरना, रक्षा करना, ध्यान देना
परमेश्वर के कहे हुए वचन के चारों ओर बाड़ा बनाना ही तत्परता से रखना है।

"परिश्रमपूर्वक" — **H3966 me'od** — शक्ति, सामर्थ्य, अत्यधिक
वही शब्द जिसका अनुवाद "अपनी शक्ति भर" किया गया है — तत्परता से पालन करना ही शक्ति भर पालन करना है

"स्थापित करना" — **H3559 kun** — तैयार करना, स्थिर करना, स्थापित करना
हमारे हाथों के काम को हमारे लिए स्थिर कर (भजन संहिता 90:17)

"मन" — **H3820 leb** — हृदय, मन, इच्छा
लोगों का काम करने में मन लगा हुआ था (नहेमायाह 4:6)

"शक्ति" — **H3581 koach** — शक्ति, बल, सामर्थ्य
जो कुछ तेरे हाथ को करने के लिये मिले, उसे अपनी शक्ति भर करना (सभोपदेशक 9:10)

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखें कि यूनानी और इब्रानी दो भिन्न दिशाओं से किस प्रकार सहमत होते हैं। स्पूदे (G4710, तत्परता) का अर्थ है गति — पैरों का चलना। ख़ारुत्स (H2742, तत्पर) का अर्थ है तीव्र और खोदा हुआ, जैसे ज़मीन से खींचा गया सोना। एक भाषा कहती है कि तत्परता चलती है; दूसरी कहती है कि तत्परता खोदती है। दोनों को साथ रखें: तत्परता एक ऐसी गति है जो तब तक नहीं थमती जब तक वह अपनी खोजी हुई वस्तु को खोद न ले।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से आरंभ होती है। कोई भी व्यक्ति पहले से ही परिश्रमी पैदा नहीं होता; इस वस्तु को पहले पाया जाना, खोजा जाना और चाहा जाना आवश्यक है, इससे पहले कि इसमें चला जा सके। ये साक्षी एक ऐसे व्यक्ति को दिखाते हैं जो भूमि से नीचे झुका हुआ, हाथ बढ़ाता हुआ है — और परमेश्वर उतना निकट है कि जो उसे खोजता है, वह उसे पा सके।)

A. **इब्रानियों 11:6** और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है। **[G1567 ekzeteo ⚑]**

कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है.

B. **नीतिवचन 11:27** जो यत्न से भलाई करता है वह दूसरों की प्रसन्नता खोजता है, परन्तु जो दूसरे की बुराई का खोजी होता है, उसी पर बुराई आ पड़ती है। **[H7836 shachar ⚑]**

भलाई का यत्न से खोजी → अनुग्रह प्राप्त करता है।

C. **नीतिवचन 8:17** जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ, और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं। **[H7836 shachar ⚑]**

और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं.

D. **भजन संहिता 63:1** हे परमेश्वर, तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझे यत्न से ढूँढ़ूगा; सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर, मेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है। **[H7836 shachar ⚑]**

मैं तुझे यत्न से ढूँढूगा → सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर.

E. यशायाह 26:9 रात के समय मैं जी से तेरी लालसा करता हूँ, मेरा सम्पूर्ण मन यत्न के साथ तुझे ढूँढ़ता है। क्योंकि जब तेरे न्याय के काम पृथ्वी पर प्रगट होते हैं, तब जगत के रहनेवाले धार्मिकता को सीखते हैं। **[H7836 shachar ⚑]**

मैंने अपने मन से तुझे चाहा है → मेरी आत्मा तुझे यत्न से ढूंढ़ेगी।

F. भजन संहिता 78:34 जब वह उन्हें घात करने लगता, तब वे उसको पूछते थे; और फिरकर परमेश्वर को यत्न से खोजते थे। **[H7836 shachar ⚑]**

और फिरकर परमेश्वर को यत्न से खोजते थे.

G. भजन संहिता 27:8 तूने कहा है, "मेरे दर्शन के खोजी हो।" इसलिए मेरा मन तुझ से कहता है, "हे यहोवा, तेरे दर्शन का मैं खोजी रहूँगा।"

मेरे मुख को ढूंढो → हे यहोवा, मैं तेरे ही मुख को ढूंढूंगा।

H. व्यवस्थाविवरण 4:29 परन्तु वहाँ भी यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा को ढूँढ़ोगे, तो वह तुम को मिल जाएगा, शर्त यह है कि तुम अपने पूरे मन से और अपने सारे प्राण से उसे ढूँढ़ो।

तू यहोवा को ढूंढेगा → तू उसे पाएगा, यदि तू उसे अपने सारे मन और अपने सारे प्राण से ढूंढेगा।

I. यिर्मयाह 29:13 तुम मुझे ढूँढ़ोगे और पाओगे भी; क्योंकि तुम अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास आओगे।

तुम मुझे ढूँढ़ोगे और पाओगे भी → क्योंकि तुम अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास आओगे.

J. नीतिवचन 3:13 क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए, और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे **[H2742 charuts ⚑]** (14) जो उपलब्धि बुद्धि से प्राप्त होती है, वह चाँदी की प्राप्ति से बड़ी, और उसका लाभ शुद्ध सोने के लाभ से भी उत्तम है।

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए → वह चाँदी की प्राप्ति से बड़ी, और उसका लाभ शुद्ध सोने के लाभ से भी उत्तम है.

K. नीतिवचन 8:19 मेरा फल शुद्ध सोने से, वरन् कुन्दन से भी उत्तम है, और मेरी उपज उत्तम चाँदी से अच्छी है। **[H6337 paz ⚑]** **[H2742 charuts ⚑]**

मेरा फल शुद्ध सोने से → और मेरी उपज उत्तम चाँदी से अच्छी है.

L. योएल 3:14 निबटारे की तराई में भीड़ की भीड़ है! क्योंकि निबटारे की तराई में यहोवा का दिन निकट है । **[H2742 charuts ⚑]**

निबटारे की तराई में भीड़ की भीड़ है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — निर्णय की तराई चारुत्स (H2742, स्फूर्तिवान) की तराई है, जो स्वयं स्फूर्तिवान के लिए प्रयुक्त शब्द है। जो व्यक्ति परमेश्वर की ओर कभी घिसटता भी नहीं है, वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसने उसके विरुद्ध निर्णय लिया हो; वह ऐसा व्यक्ति है जिसने कभी कोई निर्णय ही नहीं लिया। स्फूर्तिवान होना आरम्भ करना ही निर्णय लेना है। सोना खोदा जाता है; बुद्धि शीघ्र ढूँढ़ी जाती है; परमेश्वर उसे मिलता है जो पूरे हृदय से उसे खोजता है। नीचे से आरम्भ करो, छोटे से आरम्भ करो, और आरम्भ करो।)

II. चलना — इसे पाने के बाद इसका क्या करें

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक बार जब परिश्रम मिल जाता है, तो उसे बनाए रखना ही होगा, अन्यथा वह उसी दिन खो जाएगा जिस दिन वह पाया गया था। ये गवाहियाँ दैनिक बनाए रखने को दर्शाती हैं: एक मन जिसकी रक्षा की जाती है, एक वचन जो बच्चों को सिखाया जाता है, एक हाथ जो काम करना नहीं रोकता। परिश्रम किसी संदूक में संचित नहीं होता; वह दिन-प्रतिदिन चलकर जिया जाता है।)

A. नीतिवचन 4:23 सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। **[H4929 mishmar ⚑]** **[H5341 natsar ⚑]**

सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर → क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है.

B. व्यवस्थाविवरण 6:5 तू अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सारे मन, और सारे प्राण, और सारी शक्ति के साथ प्रेम रखना ।; (मत्ती 22:37, लूका 10:27) **[H3966 me'od ⚑]**

अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रख → अपने सारे मन से + अपने सारे प्राण से + अपनी सारी शक्ति से।

C. व्यवस्थाविवरण 6:7 और तू इन्हें अपने बाल-बच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग पर चलते, लेटते, उठते, इनकी चर्चा किया करना। (इफि. 6:4) **[H8150 shanan ⚑]**

अपने बालकों को तन मन से सिखा → बैठना + चलना + लेटना + उठना।

D. व्यवस्थाविवरण 6:17 अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं, चेतावनियों, और विधियों को, जो उसने तुझको दी हैं, सावधानी से मानना। **[H8104 shamar ⚑]**

अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं, चेतावनियों.

E. व्यवस्थाविवरण 11:13 "यदि तुम मेरी आज्ञाओं को जो आज मैं तुम्हें सुनाता हूँ ध्यान से सुनकर, अपने सम्पूर्ण मन और सारे प्राण के साथ, अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखो और उसकी सेवा करते रहो **[H8085 shama ⚑]**

ध्यान से सुनो → अपने सारे हृदय और अपनी सारी आत्मा से प्रेम करो + सेवा करो।

F. यहोशू 22:5 केवल इस बात को पूरी चौकसी करना कि जो-जो आज्ञा और व्यवस्था यहोवा के दास मूसा ने तुम को दी है उसको मानकर अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम रखो, उसके सारे मार्गों पर चलो, उसकी आज्ञाएँ मानो, उसकी भक्ति में लौलीन रहो, और अपने सारे मन और सारे प्राण से उसकी सेवा करो।" (मत्ती 22:37, लूका 10:27) **[H8104 shamar ⚑]**

सावधानी से ध्यान रखो → प्रेम + चाल + पालन + लौ लगाना + सेवा।

G. भजन संहिता 119:4 तूने अपने उपदेश इसलिए दिए हैं, कि हम उसे यत्न से माने। **[H3966 me'od ⚑] [H8104 shamar ⚑]**

तूने अपने उपदेश इसलिए दिए हैं, कि हम उसे यत्न से माने.

H. भजन संहिता 119:2 क्या ही धन्य हैं वे जो उसकी चितौनियों को मानते हैं, और पूर्ण मन से उसके पास आते हैं!

धन्य हैं वे जो पूरे मन से उसकी खोज करते हैं।

I. भजन संहिता 119:10 मैं पूरे मन से तेरी खोज में लगा हूँ; मुझे तेरी आज्ञाओं की बाट से भटकने न दे!

मैं पूरे मन से तेरी खोज में लगा हूँ → मुझे तेरी आज्ञाओं की बाट से भटकने न दे.

J. सभोपदेशक 9:10 जो काम तुझे मिले उसे अपनी शक्ति भर करना, क्योंकि अधोलोक में जहाँ तू जानेवाला है, न काम न युक्ति न ज्ञान और न बुद्धि है। **[H3581 koach ⚑]**

जो काम तुझे मिले उसे अपनी शक्ति भर करना.

K. कुलुस्सियों 3:23 और जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो। **[G5590 psyche ⚑]**

तुम जो कुछ भी करो → उसे मन लगाकर करो, जैसा प्रभु के लिये करते हो।

L. नीतिवचन 14:23 परिश्रम से सदा लाभ होता है, परन्तु बकवाद करने से केवल घटती होती है।

परिश्रम से सदा लाभ होता है → परन्तु बकवाद करने से केवल घटती होती है.

M. नीतिवचन 20:13 नींद से प्रीति न रख, नहीं तो दरिद्र हो जाएगा; आँखें खोल तब तू रोटी से तृप्त होगा।

नींद से प्रीति न रख, नहीं तो दरिद्र हो जाएगा → आँखें खोल तब तू रोटी से तृप्त होगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह चाल पूरे व्यक्ति की माँग करती है: हृदय, आत्मा, शक्ति। इसे बालकों को बैठे हुए, चलते हुए, लेटते हुए, उठते हुए सिखाया जाता है — ऐसा कोई भी घड़ी नहीं है जब इसे न रखा जाए। और जो कुछ हाथ को करने के लिए मिले, वह सारी शक्ति से किया जाए, जैसे प्रभु के लिए, और मनुष्यों के लिए नहीं। ऐसे चलो, तो तुम दौड़ने के लिए तैयार हो।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — चाल दौड़ बन जाती है, और दौड़ युद्ध बन जाती है। जो व्यक्ति खोजने में परिश्रमी और सुरक्षित रखने में परिश्रमी रहा है, वह अब काम करने और लड़ने में परिश्रमी है — उसी शब्द के पीछे चलते हुए जिसका अनुवाद "अपने विश्वास में जोड़ो" किया गया है, अब उन हाथों से जोड़ा जा रहा है जो परिश्रम करते हैं और थकते नहीं।)

A. 2 पतरस 1:5 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ **[G4710 spoude ⚑]**

सर्व प्रयत्न करके → अपने विश्वास पर सद्गुण बढ़ाओ।

B. 1 कुरिन्थियों 15:58 इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयों, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है। (गला. 6:9) **[G2873 kopos ⚑]**

स्थिर, अटल, सर्वदा बढ़ते हुए → तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।

C. गलातियों 6:9 हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे।

हम भले काम करने में साहस न छोड़ें → क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे.

D. 1 तीमुथियुस 6:12 विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिसके लिये तू बुलाया गया, और बहुत गवाहों के सामने अच्छा अंगीकार किया था। **[G73 agon ⚑]**

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़ → और उस अनन्त जीवन को धर ले.

E. 2 तीमुथियुस 2:3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा । **[G4757 stratiotes ⚑]**

कठिनाई सह लो = यीशु मसीह के एक अच्छे सिपाही के समान।

F. 2 तीमुथियुस 2:4 जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता

कोई भी योद्धा इस जीवन के व्यवहारों में अपने आपको उलझाता नहीं -- ताकि वह उसे प्रसन्न करे जिसने उसे सिपाही होने के लिये चुना है।

G. इफिसियों 6:11 परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको। **[G3833 panoplia ⚑]**

परमेश्वर का सारा हथियार धारण करो → ताकि तुम खड़े रह सको।

H. 2 कुरिन्थियों 7:11 अतः देखो, इसी बात से कि तुम्हें परमेश्वर-भक्ति का शोक हुआ; तुम में कितना उत्साह, प्रत्युत्तर, रिस, भय, लालसा, धुन और पलटा लेने का विचार उत्पन्न हुआ? तुम ने सब प्रकार से यह सिद्ध कर दिखाया, कि तुम इस बात में निर्दोष हो। **[G4710 spoude ⚑]**

ईश्वर के अनुसार शोक → उसने तुम में कैसी सावधानी उत्पन्न की + कैसी उत्सुकता।

I. 2 कुरिन्थियों 8:7 पर जैसे हर बात में अर्थात् विश्वास, वचन, ज्ञान और सब प्रकार के यत्न में, और उस प्रेम में, जो हम से रखते हो, बढ़ते जाते हो, वैसे ही इस दान के काम में भी बढ़ते जाओ। **[G4710 spoude ⚑]**

जैसे तुम सब बातों में परिश्रम में बढ़ते जाते हो → इस अनुग्रह में भी बढ़ते जाओ।

J. 2 कुरिन्थियों 8:16 परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिसने तुम्हारे लिये वही उत्साह तीतुस के हृदय में डाल दिया है। **[G4710 spoude ⚑]**

जिसने तुम्हारे लिये वही उत्साह तीतुस के हृदय में डाल दिया है.

K. 2 कुरिन्थियों 8:22 और हमने उसके साथ अपने भाई को भेजा है, जिसको हमने बार बार परख के बहुत बातों में उत्साही पाया है; परन्तु अब तुम पर उसको बड़ा भरोसा है, इस कारण वह और भी अधिक उत्साही है। **[G4705 spoudaios ⚑]**

अक्सर परखा गया परिश्रमी → अब कहीं अधिक परिश्रमी।

L. 2 तीमुथियुस 1:17 पर जब वह रोम में आया, तो बड़े यत्न से ढूँढ़कर मुझसे भेंट की। **[G4706 spoudaioteron ⚑]**

तो बड़े यत्न से ढूँढ़कर मुझसे भेंट की.

M. प्रेरितों के काम 17:11 ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्रशास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें ऐसी ही हैं कि नहीं। **[G350 anakrino ⚑]**

वचन को अत्यन्त उत्सुकता से ग्रहण किया → प्रतिदिन पवित्रशास्त्र को खोजा।

N. लूका 15:8 "या कौन ऐसी स्त्री होगी, जिसके पास दस चाँदी के सिक्के हों, और उनमें से एक खो जाए; तो वह दीया जलाकर और घर झाड़-बुहारकर जब तक मिल न जाए, जी लगाकर खोजती न रहे? **[G1960 epimelos ⚑]**

दीपक जलाओ + घर में झाड़ू लगाओ → जब तक न मिल जाए तब तक लगन से खोजो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस चरण की कीमत का आकलन करें, और इससे आश्चर्यचकित न हों: 2 तीमुथियुस 3:12 कहता है कि जितने मसीह यीशु में भक्तिपूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं, वे सब सताए जाएंगे — कुछ नहीं, और शायद भी नहीं। एक सिपाही हल्का यात्रा करता है और इस जीवन के व्यवहारों में नहीं उलझता, ताकि वह उसे प्रसन्न कर सके जिसने उसे भर्ती किया है। खोए हुए सिक्के वाली स्त्री आधे में झाड़ू लगाना बंद नहीं करती; वह लगन से खोजती है जब तक उसे वह न मिल जाए। परिश्रम कभी भी लगभग पर नहीं रुकता।)

IV. अंतिम रेखा — परिश्रम सर्वदा बना रहता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और वह अंत कोई दीवार नहीं है; वह एक रेखा है, और रेखा के पार एक प्रतिफल खड़ा है। पौलुस को उसके अपने अंत के निकट सुनो: उंडेले जाने के लिए तैयार, दौड़ पूरी हुई, विश्वास बनाए रखा गया — और देखो कि हर उस व्यक्ति के लिए क्या रखा हुआ है जो उसी अंत से प्रेम रखता है, न कि केवल एक दौड़ने वाले के लिए।)

A. प्रेरितों के काम 20:24 परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को, और उस सेवा को पूरी करूँ, जो मैंने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है। **[G1408 dromos ⚑]**

इनमें से कोई भी बात मुझे विचलित नहीं करती → ताकि मैं अपनी दौड़ को आनन्द के साथ पूरी कर सकूँ।

B. 2 तीमुथियुस 4:5 पर तू सब बातों में सावधान रह, दुःख उठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर और अपनी सेवा को पूरा कर। **[G4135 plerophoreo ⚑]**

सब बातों में सावधान रह + दुःख उठा → अपनी सेवा को पूरा प्रमाणित कर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह वह मूल्य है जिससे परिश्रम मुँह नहीं छिपाता: जागते रहना, सहते रहना, श्रम करना, जब तक कि सौंपी गई सेवकाई पूरी तरह से निभाई न जाए। जो परिश्रम क्लेश को सहन नहीं करेगा, वह अभी अंतिम रेखा तक नहीं पहुँचा है; उसने तो केवल दौड़ आरंभ की है।)

C. याकूब 1:12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **[G4735 stephanos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है → क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा.

D. प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12) **[G4735 stephanos ⚑]**

मृत्यु पर्यन्त विश्वासयोग्य बना रह → मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

E. 2 तीमुथियुस 4:18 और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार करके पहुँचाएगा उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से बचाएगा → और अपने स्वर्गीय राज्य के लिए बचाए रखेगा।

F. 1 कुरिन्थियों 3:8 लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं; परन्तु हर एक व्यक्ति अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा। **[G2873 kopos ⚑]**

हर एक अपने ही परिश्रम के अनुसार अपना ही प्रतिफल पाएगा → अपने ही परिश्रम के अनुसार।

G. कुलुस्सियों 3:24 क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इसके बदले प्रभु से विरासत मिलेगी। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।

क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इसके बदले प्रभु से विरासत मिलेगी → तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो.

H. मत्ती 25:21 उसके स्वामी ने उससे कहा, 'धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।' **[G4103 pistos ⚑]**

धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा → अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो.

I. यशायाह 55:11 उसी प्रकार से मेरा वचन भी होगा जो मेरे मुख से निकलता है; वह व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा, परन्तु, जो मेरी इच्छा है उसे वह पूरा करेगा, और जिस काम के लिये मैंने उसको भेजा है उसे वह सफल करेगा।

मेरा वचन खाली होकर नहीं लौटेगा → यह पूरा होगा + यह सफल होगा।

J. भजन संहिता 90:17 हमारे परमेश्वर यहोवा की मनोहरता हम पर प्रगट हो, तू हमारे हाथों का काम हमारे लिये दृढ़ कर, हमारे हाथों के काम को दृढ़ कर। **[H3559 kun ⚑]**

हमारे परमेश्वर यहोवा की सुंदरता हम पर प्रगट हो → हमारे हाथों के कामों को स्थिर कर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह मुकुट केवल एक धावक के लिए नहीं है। केवल पौलुस के लिए नहीं, वरन उन सभी के लिए जो उसके प्रगट होने से प्रेम रखते हैं, और उन सभी के लिए जो थोड़े में विश्वासयोग्य पाए जाते हैं। और ध्यान दो उस अंतिम शब्द पर जो सारी दौड़ के ऊपर खड़ा है: जो वचन परमेश्वर के मुख से निकलता है, वह खाली लौटकर नहीं जाता; वह पूरा होता है, वह सफल होता है। जिसे मनुष्य लगन से बोता है, उसे परमेश्वर स्थिर करता है। यही इस दौड़ की सम्पूर्ण आशा है: तुम्हारे हाथों का काम भूमि पर नहीं गिरता; प्रभु स्वयं उसे स्थिर करता है।)

दो के मुख

नहेम्याह 4:6 हम लोगों ने शहरपनाह को बनाया; और सारी शहरपनाह आधी ऊँचाई तक जुड़ गई। क्योंकि लोगों का मन उस काम में नित लगा रहा। **[H3820 leb ⚑]**

हम लोगों ने शहरपनाह को बनाया → क्योंकि लोगों का मन उस काम में नित लगा रहा.

2 इतिहास 15:7 परन्तु तुम लोग हियाव बाँधों और तुम्हारे हाथ ढीले न पड़ें, क्योंकि तुम्हारे काम का बदला मिलेगा।" (1 कुरि. 15:58)

तुम बलवन्त बनो, और तुम्हारे हाथ ढीले न हों → तुम्हारे काम का फल मिलेगा।

हाग्गै 1:14 और यहोवा ने शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल को जो यहूदा का अधिपति था, और यहोसादाक के पुत्र यहोशू महायाजक को, और सब बचे हुए लोगों के मन को उभारकर उत्साह से भर दिया कि वे आकर अपने परमेश्वर, सेनाओं के यहोवा के भवन को बनाने में लग गए।

यहोवा ने लोगों की आत्मा को उभारा → वे आए और यहोवा के भवन में काम करने लगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दो गवाहों के मुख से बात स्थिर होती है, और यहाँ एक तीसरा उसकी पुष्टि करता है। नहेमायाह के लोगों का काम करने का मन था, और शहरपनाह जोड़ी गई। इतिहासकार स्पष्ट रूप से कहता है, तुम्हारे काम का प्रतिफल मिलेगा। हाग्गै कहता है कि यहोवा ने स्वयं लोगों की आत्मा को उभारा ताकि वे आएं और काम करें। तीन पुस्तकें, एक ही प्रतिरूप: परमेश्वर इच्छा को उभारता है, और परिश्रमी हाथ निर्माण करता है।)

छाया और पूर्णता

> *प्रकाश ने शरीर को प्रगट किया है: पुराने नियम का चित्र वास्तविक था, परन्तु वह सम्पूर्ण प्रतिरूप नहीं था; नया नियम यह दिखाता है कि वह आरम्भ से किस वस्तु की ओर संकेत कर रहा था (कुलुस्सियों 2:17; इब्रानियों 10:1)।*

Shadow निर्गमन 16:4 तब यहोवा ने मूसा से कहा, "देखो, मैं तुम लोगों के लिये आकाश से भोजनवस्तु बरसाऊँगा; और ये लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करेंगे, इससे मैं उनकी परीक्षा करूँगा, कि ये मेरी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं।

लोग बाहर जाकर प्रतिदिन का ठहराया हुआ भाग बटोर लें → कि मैं उन्हें परखूं।

Fulfillment यूहन्ना 6:27 नाशवान भोजन के लिये परिश्रम न करो, परन्तु उस भोजन के लिये जो अनन्त जीवन तक ठहरता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा, क्योंकि पिता, अर्थात् परमेश्वर ने उसी पर छाप कर दी है।" **[G3306 meno ⚑]**

नाशवान भोजन के लिये परिश्रम मत करो → परन्तु उस भोजन के लिये जो अनन्त जीवन तक ठहरता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — छाया एक प्रतिदिन का एकत्र करना है: ऐसी रोटी जिसे हर सुबह ताज़ा खोजना पड़ता था, और जिसे संचित नहीं किया जा सकता था। पूर्णता भी एक प्रतिदिन का परिश्रम है, परन्तु अब उस रोटी की ओर लक्षित है जो कभी नहीं बिगड़ती: वह भोजन जो अनन्त जीवन तक ठहरता है, जिसे मनुष्य के पुत्र ने दिया है। जंगल में परिश्रम ने प्रतिदिन एक निश्चित मात्रा इकट्ठी की; मसीह में परिश्रम उसके लिए काम करता है जो नाश नहीं होता। प्रतिरूप वही हाथ है, जो प्रतिदिन पहुँचता है, अंततः यह सिखाया गया कि वास्तव में किस रोटी के लिए हाथ बढ़ाना उचित है।)

समापन

फिलिप्पियों 1:6 मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।

जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है → वह उसे मसीह यीशु के दिन तक पूरा करता रहेगा।

1 कुरिन्थियों 3:14 जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रहेगा, वह मजदूरी पाएगा।

यदि किसी का काम बना रहे → उसे प्रतिफल मिलेगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरे मार्ग को घर तक इकट्ठा करना। पहले रेंगना: तत्परता पूर्ण विकसित होकर जन्म नहीं लेती; वह उसी को मिलती है जो जल्दी ढूँढ़ता है और पूरे हृदय से ढूँढ़ता है। फिर चलना: हृदय की रखवाली की जाती है, वचन हर घड़ी बच्चों को सिखाया जाता है, हाथ जो कुछ भी करने को पाता है उसे पूरी शक्ति से करता है। फिर दौड़ और युद्ध: विश्वास में सद्गुण जोड़ो, पूरा हथियार-बख़्तर पहनो, एक अच्छे सिपाही की तरह कष्ट सहो, तत्परता से ढूँढ़ो जब तक पा न लो। फिर वह रेखा: दौड़ पूरी हुई, सेवकाई पूरी तरह सिद्ध हुई, जीवन का मुकुट दिया गया — किसी एक धावक को नहीं, बल्कि उन सबको जो उससे प्रेम रखते हैं और विश्वासयोग्य पाए जाते हैं। जिसने तुझ में यह अच्छा काम आरम्भ किया है, वह उसे मसीह यीशु के दिन तक पूरा करता रहेगा। चलता रह।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. इब्रानियों 11:6 — वह उन्हें फल देनेवाला है जो:
a) परमेश्वर के पास आना
b) विश्वास करे कि वह है
c) लगन से उसे खोजें

2. नीतिवचन 8:17 — जो मुझसे प्रेम रखते हैं, मैं भी उनसे प्रेम रखती हूं, और जो यत्न से मुझे ढूंढ़ते हैं:
a) मुझे पाएगा
b) धन्य होगा
c) अनुग्रह प्राप्त कराएगा

3. नीतिवचन 4:23 — सब बातों से बढ़कर अपने मन की रक्षा कर, क्योंकि उसी में से:
a) बुरे विचार निकलते हैं
b) जीवन के मूल स्रोत हैं
c) जीवन का सोता है

4. सभोपदेशक 9:10 — जो कुछ तेरे हाथ को करने के लिये मिले, उसे:
a) इस पर भली-भांति विचार करना
b) उसे अपनी पूरी शक्ति से करना
c) उस पर अच्छी तरह ध्यान देना

5. 2 तीमुथियुस 2:3 — तू भी दुःख उठा, जैसा कि:
a) एक अच्छा कारीगर
b) यीशु मसीह का एक अच्छा सिपाही
c) एक अच्छा और विश्वासयोग्य सेवक

6. गलातियों 6:9 — और भले काम करने में हियाव न छोड़ें, क्योंकि समय पर:
a) यदि हम हियाव न छोड़ें, तो समय पर काटेंगे
b) हमारा परिश्रम व्यर्थ नहीं है
c) हमें एक मुकुट प्राप्त होगा

7. प्रकाशितवाक्य 2:10 — तू मृत्यु तक विश्वासयोग्य बना रह, और:
a) तू कभी न गिरेगा
b) मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा
c) तुझे प्रवेश दिया जाएगा

उत्तर कुंजी: 1-c, 2-a, 3-b, 4-b, 5-b, 6-a, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

→छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: जंगल में प्रतिदिन मन्ना इकट्ठा करना (निर्गमन 16:4) जीवन की रोटी के सम्पूर्ण सिद्धांत की ओर खुलता है, जो एक बार सर्वदा के लिए दी गई फिर भी विश्वास द्वारा प्रतिदिन इकट्ठी की जाती है (यूहन्ना 6:27-35) — अपने ही अध्ययन के लिए तैयार।

नई वाचा इसे किस प्रकार स्पष्ट करती है: इस्राएल से कहा गया था, आज्ञाओं को तत्परता से मानना (व्यवस्थाविवरण 6:17); मसीह में कहा गया है, सारी सावधानी से अपने विश्वास में जोड़ना (2 पतरस 1:5) — जो पत्थर की पटियाओं पर आज्ञा दी गई थी, वह अब एक जीवित विश्वास में जोड़ी जाती है।

शब्दों का महत्व कैसे है: चारुत्स (H2742, तत्पर) यह एक ही शब्द है परिश्रमी मनुष्य के लिए, उत्तम सोने के लिए, और निर्णय की तराई के लिए — चिन्हित करें कि किस स्थान पर कौन सा अर्थ खड़ा है, और क्यों।

यह आप पर कैसे लागू होता है: जो कुछ तेरे हाथ को करने के लिए मिले, उसे अपनी शक्ति भर करना (सभोपदेशक 9:10); अपने मन की सब प्रकार से रक्षा करना (नीतिवचन 4:23); उसे बड़े यत्न से खोजना (भजन संहिता 63:1)। यह चाल आज ही से, भूमि के निकट, आरम्भ होती है, और आज ही इसमें प्रवेश किया जाता है।

अनंतकाल के लिए इसका क्या अर्थ है: जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वह मसीह यीशु के दिन तक उसे पूरा भी करता रहेगा (फिलिप्पियों 1:6); हर एक अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी मजदूरी पाएगा (1 कुरिन्थियों 3:8)।

विषयांतर: "क्योंकि परमेश्वर ही है जो तुम में इच्छा उत्पन्न करने, और कार्य सिद्ध करने के लिये तुम में प्रभाव डालता है" (फिलिप्पियों 2:13) — परमेश्वर का अपना कार्य और मनुष्य की अपनी तत्परता एक ही वचन में एक साथ बंधे हुए हैं; कभी एक के बिना दूसरा नहीं होता। इसे खोज निकालिए।

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).